सीएमपीडीआई में विश्व पर्यावरण दिवस-2015

05 जून, 2015 : सीएमपीडीआई परिसर में सभी कार्यकारी निदेशकों, क्षेत्रीय संस्थान के क्षेत्रीय निदेशक, सभी विभागाध्यक्षों, जेसीसी एवं सीएमओएआई के प्रतिनिधियों तथा मुख्यालय/क्षेत्रीय संस्थान-3 के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की उपस्थिति में विश्व पर्यावरण दिवस-2015 मनाया गया। इस समारोह का उद्घाटन संस्थान के निदेशक (तकनीकी/ईएस) श्री डी0के0 घोष ने पर्यावरण झंडा फहराकर किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने कर्मियों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलवाई। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि जनसंख्या बहुत बढ़ गया है और संसाधन सीमित है। सीमित संसाधन का बेहतर उपयोग ही इसका एक मात्र निवारण है। विकास की सबसे बड़ी मार हमारे पर्यावरण पर पड़ती है। पेड़ो की अंधाधुंध कटाई हमारे पर्यावरण को बहुत नुकसान पहुंचाता है। विकास भी जरूरी है किन्तु हमें वृक्षारोपण एवं इसकी सुरक्षा पर ध्यान देने की आवश्कयता है। इस अवसर पर निदेशक (तकनीकी/आरडीएंडटी) श्री वी0के0 सिन्हा भी उपस्थित थे।

इस अवसर पर श्री अनूप त्रिपाठी ने युनाइटेड नेशनल के सेक्रेटरी जनरल द्वारा प्रेषित एवं कोल इंडिया के अध्यक्ष श्री सुतीर्थ भट्टाचार्या द्वारा भेजे गए संदेश को पढ़कर सुनाया गया।

इस अवसर पर संस्थान के निदेशक (तकनीकी/ईएस) श्री डी0के0 घोष एवं निदेशक (तकनीकी/आरडीएंडटी) श्री वी0के0 सिन्हा ने सीट एंड ड्राॅ प्रतियोगिता (थीम-ग्लोबल वार्मिंग उसे उसके निवारण के उपाय) के ग्रुप (कक्षा 1 से 3 तक) के विजयी प्रतिभागी प्रथम-अनुपमा समाद्दर, द्वितीय-तानिया दास एवं तृतीय-दिशा रानी

कुंडु, ग्रुप-बी (कक्षा 4 से 7 तक) के प्रथम-नितिन घोष, द्वितीय-निरूपमा एवं तृतीय-श्रेया गुप्ता ग्रुप-सी (कक्षा 8 से 10 तक) के प्रथम-अंकित कुमार, द्वितीय-सौरिस बनर्जी एवं तृतीय-अभिलाषा के0 कच्छप एवं निबंध प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागी प्रथम-प्रणव प्रतीक, द्वितीय-सौशि बनर्जी एवं तृतीय-अनिमेष राॅय तथा क्वीज प्रतियोगिता के विजयी प्रतिभागी प्रथम-वायु टीम के संजीव कुमार एवं पी0के0 भल्ला, द्वितीय-अग्नि टीम के अन्वेषा दास, संगीता विश्वास एवं एलीजा बेथ तथा तृतीय-पृथ्वी टीम के प्रबल प्रियरंजन, फरहा नवाज एवं नवीन को पुरस्कृत किया।

अपराह्न के सत्र में मयूरी प्रेक्षागृह में एक अतिथि भाषण का कार्यक्रम आयोजित किया गया। प्रो0 योगेश दुबे, इंडियन इंस्टीच्यूट आॅपफ फाॅरेस्ट मैनेजमेंट, भोपाल इस समारोह के मुख्य अतिथि थे। अपने संबोधन में प्रो0 दुबे ने बताया कि प्लानेट एक है। जनसंख्या 7 अरब है। सीमित संसाधन है। इसलिए इसका उपयोग सावधानी से करने की आवश्यकता है।

***